45

CHAUDHARY RANBIR SINGH UNIVERSITY
ESTABLISHED BY GOVT. OF HARYANA LEGISLATURE ACT NO.28 OF 2014
(RECOGNIZED UNDER SECTION 12(B) & 2(F) OF UGC ACT, 1956)

Practical Marks (2023 - 2024)

College :- (1616)Govt. PG College, Jind

Degree :- B.A. (Hons.)-(VIth Sem)

Subject :- Geography

Paper :- (BAHG603-P) Field Survey in Geography(Th.) & (Prct) (Max Marks - 80)

SNo.	EXAM FORM ROLL NO.	CLASS ROLL NO.	STUDENT NAME	FATHER NAME	MOTHER NAME	MARKS	PHOTO	SIGNATURE
1	8567145	12106810630 19	ABHISHEK	RAJBIR	SUSHMA	50		Abhishek
2	8567160	3031	ROHIT	PARHLAD KUMAR	SANGITA	45		Rohit
3	8567166	3014	VISHAL	Balwan	MAYA DEVI	37		Vishal
4	8567155	12106310630 01	HIMANSHU	SATISH KUMAR	MUKESH DEVI	65		Himanshu
5	8567156	12106810630 04	MOHIT	JITENDER	NIRMALA DEVI	46		Mohit
6	8567162	12106810630 07	SOURAV	JOGINDER SAINI	KIRAN	43		Sourav.
7	8567175	12106810630 08	TAMANNA	SATISH	MUKESH	52		Tamanna
8	8567163	12106810630 09	SUMIT	PAWAN	NIRMLA	43		SUMIT
9	8567159	12106810630 10	RAJ	RAJESH	KANTA	71		Raj
10	8567176	12106810630 11	TANNU	SURAT SINGH	RAJO DEVI	52		Tannu
11	8567164	12106810630 12	VIKAS	BALKISHAN SHARMA	SUDESH RANI	64		Vikas
12	8567152	12106810630 13	GOURAV	KRISHAN	SANTRO DEVI	AB		ABSENT
13	8567157	12106810630 16	PARDEEP	ROHTASH	SHEELA	66		Pardeep
14	8567168	12106810630 17	KAFI	ANIL KUMAR	RAJ BALA	68		kafi
15	8567171	12106810630 21	PRIYANKA	RAMESH KUMAR	GUDDI	48		Priyanka
16	8567153	12106810630 22	GURMEET	RAMESH	GUDDI	46		Gurmeet
17	8567169	12106810630 23	MANISHA	SANJAY	KOSHALYA	71		Manisha

Online marks submission Date

Hard copy Submission Date .....

College /invigilator Signature .....

Tajvir Singh
(External Examiner)

4/5/24
Vikram Singh
(External Examiner)

Print Date :- 4/24/2024 3:35:11 PM

CHAUDHARY RANBIR SINGH UNIVERSITY
ESTABLISHED BY GOVT. OF HARYANA LEGISLATURE ACT NO.28 OF 2014
(RECOGNIZED UNDER SECTION 12(B) & 2(F) OF UGC ACT, 1956)

Practical Marks (2023 - 2024)

College :- (1616)Govt. PG College, Jind

Degree :- B.A. (Hons.)-(VIth Sem)

Subject :- Geography

Paper :- (BAHG603-P) Field Survey in Geography(Th.) & (Prct) (Max Marks - 80)

18	8567147	12106810630 24	AMAN	RADHAY SHYAM	RAJ BALA	42		Aman
19	8567161	12106810630 25	SAHIL	SATBIR	SUMAN DEVI	80		Sahil
20	8567150	12106810630 26	ANKUSH MALIK	SURAJBHAN	NEELAM	78		Ankush
21	8567170	12106810630 29	MONIKA	KAPTAN	SEEMA	71		Monika
22	8567167	12106810630 30	JYOTI	RAJENDER	RAJWANTI	72		JYOTI
23	8567158	12106810630 32	PARMOD	LAL JI	SARITA	78		Parmod.
24	8567151	12106810630 33	ATUL DUTT	SATPAL	RAJBALA	62		Atul
25	8567174	12106810630 34	SAKSHI	MAMAN SINGH	SUNITA	80		Sakshi
26	8567165	12106810630 36	VISHAL	RAJ KUMAR	SUMAN	55		Vishal
27	8567146	12106810630 37	AKSHEY	BALJEET	BHATERI	78		Akshey
28	8567154	12106810630 38	HARSH	RAJESH KUMAR	KRISHNA DEVI	49		Harsh
29	8567149	12106810630 39	ANKUSH	SATPAL	KAMLA	77		Ankush.
30	8567148	12106810630 40	ANKUSH	AZAD	ANITA	AB		ABSENT
31	8567173	12106810630 41	REETU	ANOOP SINGH	KANTA	62		Reetu
32	8567172	12106810630 42	RADHIKA	ANIL KAUSHIK	SUMAN KAUSHIK	61		Radhika

Present = 30
Absent = 02
Total = 32

This is Certify that the above Information in absolutely correct & verify by the below signatory. There will be no any changes proposed in future.

Online marks submission Date

Hard copy Submission Date .....

College /invigilator Signature .....

External Examiner (TASVIR SINGH)

9/5/24
Internal Examiner (VIKRAM SINGH)

सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण: मांडो खेड़ी गांव, जींद, हरियाणा का एक केस अध्ययन

भूगोल में B.A.III ऑनर्स की डिग्री की आंशिक पूर्ति के लिए भूगोल विभाग को प्रस्तुत
एक क्षेत्र आधारित परियोजना रिपोर्ट

LEAD KINDLY LIGHT
GOVT. COLLEGE JIND
सा विद्या या विमुक्तये

को प्रस्तुत
श्री विक्रम सिंह
सह - प्राध्यापक
भूगोल विभाग

द्वारा प्रस्तुत
नाम : MONIKA
रोल नंबर : 12106810 63029

राजकीय महाविद्यालय जींद (हरियाणा)
भूगोल विभाग
सत्र - 2023-2024

- अंतर्वस्तु
- उम्मीदवार की घोषणा
- प्रमाणपत्र
- अभिस्वकृति
- परिचय
- क्षेत्रीय सर्वेक्षण का महत्व (सामाजिक-आर्थिक)
- क्षेत्र सर्वेक्षण की योजना
- अध्ययन का लक्ष्य और उद्देश्य एवं परिकल्पना
- आकड़ों का आधार
- अध्ययन क्षेत्र :- जलवायु, वर्षा, तापमान, आर्द्रता, पवन
- मांडो खेड़ी का मानचित्र
- प्राकृतिक भूगोल :- मिट्टी, हाइड्रोलॉजी, जल भूमि प्रवाह
- परिणाम और चर्चा
- पारिवारिक संरचना : जनसंख्या, परिवार की संरचना, राशन कार्ड
- घरों के प्रकार
- भू-स्वामित्व
- साक्षरता
- लिंगानुपात
- आर्थिक व्यावसायिक संरचना :- प्रति व्यक्ति आय, व्यावसायिक संरचना
- पशुपालन
- पेयजल का स्रोत एवं उपलब्धता
- परिवहन के साधन
- संचार
- बिजली का स्रोत
- खाना पकाने के दौरान प्रयुक्त ईंधन
- अन्य सहायक सामग्री
- निष्कर्ष और सुझाव
- छायाचित्र
- अनुसूची

उम्मीदवार की घोषणा

मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि "सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण: मांडो खेड़ी गांव, जींद का एक केस स्टडी" नामक रिपोर्ट में प्रस्तुत कार्य भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय जींद को प्रस्तुत किया गया है। बी.ए. आनर्स की उपाधि प्रदान करने की आवश्यकता की पूर्ति हेतु श्री विक्रम सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग राजकीय महाविद्यालय जींद की देखरेख में मेरे द्वारा किए गए कार्यों का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है। राजकीय महाविद्यालय जींद इस रिपोर्ट में सन्निहित मामले को कहीं और किसी अन्य डिग्री के पुरस्कार के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

नाम : MONIKA

रोल नंबर : 1210681063029

प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि वर्तमान रिपोर्ट "सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण: मांडो खेड़ी गांव, जींद का एक केस स्टडी" क्षेत्र सर्वेक्षण पर आधारित है जो बी.ए. ऑनर्स के छात्र द्वारा आयोजित किया गया था। छठा सेमेस्टर (भूगोल ऑनर्स) मेरी देखरेख में। यह कार्य का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है और इसे मूल्यांकन के लिए परीक्षक के समक्ष रखा जा सकता है।

श्री विक्रम सिंह
सह - प्राध्यापक
भूगोल विभाग
राजकीय महाविद्यालय जींद

अभिस्वीकृति

मैं गांव मांडो खेड़ी, जिला जींद में क्षेत्र सर्वेक्षण करने की अनुमति देने के लिए प्राचार्य श्री सत्यवान मलिक के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। मैं इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए मेरे मार्गदर्शक श्री विक्रम सिंह द्वारा दिए गए समय पर और लगातार सहयोग के लिए आभारी हूं। क्षेत्र सर्वेक्षण की तैयारी में विभिन्न स्रोतों और संगठनों से मदद और सामग्री ली गई है, मैं मांडो खेड़ी गांव के लोगों का भी आभारी हूं जिन्होंने अपने परिवार की संरचना, शिक्षा, व्यवसाय और प्रवास आदि के बारे में उपयोगी जानकारी साझा की। ग्रामीण सवाल का जवाब देने में बहुत ईमानदार थे और उन्होंने हमें उनके साथ बातचीत करने के लिए पर्याप्त समय दिया।

मैं अपने सभी साथी छात्रों, दोस्तों और उन सभी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो पूरे सर्वेक्षण के दौरान मेरे साथ रहे और बहुमूल्य जानकारी लेकर आए जिनके आधार पर यह रिपोर्ट सफलतापूर्वक पूरी की गई है।

मुझे उम्मीद है कि यह रिपोर्ट मांडो खेड़ी गांव के सामाजिक आर्थिक पहलुओं को समझने में मदद करेगी।

नाम :

रोल नंबर :

क्षेत्र सर्वेक्षण

परिचय:

भूगोल पृथ्वी की सतह का अध्ययन है। इस अध्ययन में भूगोलवेत्ता द्वारा विभिन्न उपकरणों का उपयोग किया जाता है। आरम्भिक भूगोलवेत्ताओं ने अभियानों के माध्यम से इसे संभव बनाया। इसके बाद, रोमन साम्राज्य के दौरान एकत्र किए जाने वाले राजस्व की गणना के लिए नक्शे तैयार करने के लिए एग्रीमेन्सर्स ने क्षेत्र का दौरा किया। दुनिया का पता लगाने के लिए भूगोलवेत्ताओं द्वारा इस परंपरा को 1400 ईस्वी से 1900 ईस्वी तक आगे बढ़ाया गया। हवाई फोटोग्राफी और रिमोट सेंसिंग के युग में भी, कार्य तब तक पूरा नहीं हो सकता था जब तक कि हम ज़मीनी सच्चाई के माध्यम से आकड़ों को सत्यापित नहीं करते। उपरोक्त चर्चा से पता चलता है कि प्राचीन काल से लेकर समकालीन समय तक भौगोलिक अध्ययन में क्षेत्रीय सर्वेक्षण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे हम पृथ्वी पर देखी गई भौतिक या सांस्कृतिक घटनाओं का अध्ययन करें, एक भूगोलवेत्ता को क्षेत्र सर्वेक्षण की मदद लेनी चाहिए।

क्षेत्रीय सर्वेक्षण का महत्व (सामाजिक-आर्थिक) :

किसी क्षेत्र का भूगोल मूलतः दो तत्वों से बना होता है: भौतिक और सांस्कृतिक। इन दोनों में से, सांस्कृतिक तत्व लौकिक और स्थानिक दोनों स्तरों पर अत्यधिक गतिशील हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विशेषताएँ अत्यधिक परिवर्तनशील हैं। सामाजिक विशेषताएँ जैसे जीवन शैली, जीवन स्तर, भोजन की आदत आदि; व्यवसाय, कमाई का स्तर आदि जैसी आर्थिक विशेषताएं बहुत बार बदलती हैं और क्षेत्र सर्वेक्षण ही एकमात्र उपकरण है जो सटीक और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकता है। दूसरी ओर, किसी क्षेत्र की भौतिक विशेषताओं का अध्ययन करने और समझने के लिए, क्षेत्र सर्वेक्षण दिमाग पर एक लंबी छाप बनाने में मदद करता है। अंग्रेजी में एक कहावत है कि " I read, I forget, I see, I remember, I do, I understand".

- प्रसिद्ध भूगोलवेत्ता जेम्स फेयर ग्रिव के अनुसार "भूगोल का ज्ञान जूतों के तल्लों को घिसाकर ही प्राप्त किया जा सकता है अर्थात भूगोल का ज्ञान हमें पुस्तकालय से नहीं बल्कि स्वयं क्षेत्र में जाकर प्राप्त होता है"।
- रैटजल महोदय ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर कहा है "मैंने यात्रा की, मैंने रेखा चित्र बनाए, मैंने वर्णन किया"।
- प्रोफेसर ई फ्रिमेल के अनुसार "भूगोल यात्रा करने तथा स्वयं अपनी आंखों से देखने का विषय है"।

योजना:

क्षेत्रीय सर्वेक्षण के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक आकड़े या तो जनगणना सर्वेक्षण या नमूना सर्वेक्षण द्वारा एकत्र किया जा सकता है। यदि हमारे पास लक्ष्यों का एक छोटा समूह है जिसे दिए गए समय के भीतर इकट्ठा किया जा सकता है, तो हमें जनगणना सर्वेक्षण के लिए जाना चाहिए, क्योंकि यह हमें विस्तृत

और सटीक जानकारी प्रदान करता है। यदि लक्ष्य समूह बड़ा है और समय सीमित है, तो हमें नमूना सर्वेक्षण करना चाहिए। यहां नमूना का चयन उचित नमूना तकनीक जैसे यादृच्छिक, स्तरीकृत यादृच्छिक, कोटा इत्यादि चुनकर किया जाना चाहिए। पूरे क्षेत्र सर्वेक्षण को निम्नलिखित चरणों में संक्षेपित किया जा सकता है:

क) प्राथमिक चरण :- इसमें सर्वेक्षणकर्ता को सर्वेक्षण की योजना बनानी होती है। आंकड़ों कोई एकत्रित करने के लिए क्षेत्र के आधार पर जनगणना सर्वेक्षण या नमूना सर्वेक्षण का चयन करना। सभी प्रश्नों को शामिल करते हुए अनुसूची तैयार करना।

ख) क्रियान्वयन चरण:- इसमें क्षेत्र में जाकर योजना के आधार पर लक्ष्य समूह से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करके अनुसूची में जानकारी भरना।

ग) परिगणन चरण:- इसमें सर्वेक्षण का काम पूरा होने पर एकत्रित आंकड़ों का संपादन, वर्गीकरण और प्रासंगिक तालिकाएं तैयार करना।

घ) मानचित्र चरण:- इसमें विभिन्न आंकड़ों को मानचित्र तथा रेखा चित्रों की सहायता से दर्शाया जाना।

ड) रिपोर्ट चरण:- सर्वेक्षण का सारा काम पूरा हो जाने के बाद तालिकाओं का विश्लेषण और व्याख्या करना और परिणामों का उल्लेख करना तथा निष्कर्ष निकालना।

अध्ययन का लक्ष्य एवं उद्देश्य:

1. परिवार के आकार ,लिंग संयोजन ,साक्षरता दर तथा आर्थिक क्रियाओं/ स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त करना।
2. परिवार के मकान की संरचना, पानी, बिजली व ईंधन की सुविधा के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
3. सरकारी सेवाओं का लाभ (मकान, पानी, बिजली व ईंधन) जरूरतमंदों को मिल रही है या नहीं यह अध्ययन करना है।
4. परिवार के पास पाए जाने वाले परिवहन, संचार, भू स्वामित्व एवं पशुधन के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
5. सर्वेक्षण के आधार पर गांव में विभिन्न धर्मो एवं जातियों का जनांन्किए ,सामाजिक, व्यवसायिक एवं प्रवासीय गतिविधियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
6. परिवार के सदस्यों का प्रवास से संबंधित जानकारी कारणों सहित तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना:

- गांव में मुख्यत: एकल परिवार का पाया जाना चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति के परिवार की आय और भू स्वामित्व अल्पसंख्यक/पिछड़ी जाति की आय एवं भूस्वामित्व से ज्यादा होना चाहिए ।

- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में लिंग संयोजन एवं पशुओं की संख्या अल्पसंख्यक/पिछड़ी जाति से कम होनी चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति के परिवार की साक्षरता अल्पसंख्यक/पिछड़ी जाति की साक्षरता से ज्यादा होनी चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में सरकारी योजनाओं का लाभ (मकान,पानी ,बिजली, ईधंन) अल्पसंख्यक/पिछड़ी जाति की अपेक्षा ज्यादा होनी चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में विदेशी प्रवास अल्पसंख्यक/पिछड़ी जाति की अपेक्षा ज्यादा होना चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में देशिय प्रवास अल्पसंख्यक/पिछड़ी जाति की अपेक्षा कम होना चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में महिला प्रवास अल्पसंख्यक/पिछड़ी जाति की अपेक्षा कम होना चाहिए।

आकड़ों का आधार:

गांव के वर्तमान सर्वेक्षण को प्राथमिक आंकड़ों के विभिन्न चरों को एकत्रित करने के लिए क्षेत्र अध्ययन एवं संरचित अनुसूची के माध्यम से एकत्रित किया गया। जो अनुसूची बनाई गई थी उसमें मांडो खेड़ी गांव की जनान्कीय, पारिवारिक ,सामाजिक, आर्थिक स्थिति एवं साधारण जानकारियों को एकत्रित किया गया। इस जानकारी को एकत्रित करने के लिए प्रत्येक घर के मुखिया से मिले, जिससे हमारे आंकड़े विश्वसनीय बने। घर के मुखिया से विभिन्न प्रकार के आंकड़े एकत्रित किए गए जैसे की-

क) मकान की संरचना ख) पारिवारिक संरचना ग) लिंग संयोजन

घ) साक्षरतादर ड़) आर्थिक आय च) आर्थिक क्रियाएं

छ) भू स्वामित्व ज) प्रवास झ) पशुओं की संख्या

य) पानी, बिजली, ईंधन के स्रोत एवं सरकारी सुविधाओं का लाभ

प्राथमिक स्रोत से प्राप्त इन आंकड़ों को हमने सूचीबद्ध किया तथा विभिन्न मानचित्र रेखा विधि के द्वारा प्रदर्शित किया। इस प्रदर्शन में दण्ड आरेख तथा चक्र आरेख का प्रयोग किया गया।

क्रियाविधि:

आकड़े संग्रह की प्रक्रिया में, गांव के सभी 99 घरों के आंकड़ों को एकत्र करने के लिए 5 फरवरी 2024 को अध्ययन क्षेत्र में एक जनगणना सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। इस उद्देश्य के लिए, प्रत्यक्ष साक्षात्कार पद्धति को अपनाया गया जहां छात्रों ने अनुसूची में उल्लिखित सभी विवरणों को भरने के लिए प्रत्येक घर के मुखिया और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत की। आंकड़ों के विश्लेषण में लिंगानुपात, साक्षरता दर, प्रति व्यक्ति आय, आयु संरचना, प्रवास आदि का विश्लेषण करने के लिए प्रतिशत जैसी सरल सांख्यिकीय पद्धति का उपयोग किया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र :

अध्ययन क्षेत्र माड़ो खेड़ी गांव जिला मुख्यालय, जींद से केवल 8 किमी उतर पूर्व की ओर जींद - पानीपत रोड से लिंक रोड पर स्थित है। गांव के केंद्र की खगोलीय स्थिति 29. 34° ' उत्तर अक्षांश और 76.37° पूर्व देशांतर है। अध्ययन क्षेत्र की ऊंचाई समुद्र तल से 227 मीटर है।(**गांव के बुजुर्ग पृथ्वी सिंह लाठर के कथनानुसार - रिजक राम लाठर गाँव कस्सोला , जुलाना तहसील से आज से 200 साल पहले पानी की कमी के कारण गांव को बसाने का कार्य किया। अब पांचवीं पीढ़ी चल रही है। पहले 1000 बिघे जमीन खरीदी फिर राजा के वजीर की 700 बिघे और जमीन भी खरीद ली गई**) अध्ययन क्षेत्र का अपना ग्राम पंचायत घर है। गाँव के सामाजिक स्तर में जाट ,ब्राह्मण ,सैनी, चमार, झीमर, कुम्हार, धानक आदि विभिन्न जातियाँ शामिल हैं। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार गाँव का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 136 हेक्टेयर है। मांडो खेड़ी की कुल जनसंख्या 540 है, जिसमें पुरुष जनसंख्या 284 है जबकि महिला जनसंख्या 256 है। मांडो खेड़ी गांव की साक्षरता दर 64.81% है, जिसमें से 75.00% पुरुष और 53.52% महिलाएं साक्षर हैं। मांडो खेड़ी गांव में करीब 101 घर हैं। जब प्रशासन की बात आती है, तो मांडो खेड़ी गांव का प्रशासन एक सरपंच द्वारा किया जाता है, जो स्थानीय चुनावों द्वारा गांव का प्रतिनिधि चुना जाता है। वर्तमान में श्री अनिल लाठर सरपंच मनोनीत हैं । 2019 के आंकड़ों के अनुसार, मांडो खेड़ी गांव जींद विधानसभा क्षेत्र और सोनीपत संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है। सभी प्रमुख आर्थिक गतिविधियों के लिए जींद मांडो खेड़ी गांव का निकटतम शहर है।

जलवायु:

अध्ययन क्षेत्र की जलवायु को उष्णकटिबंधीय स्टेपी, अर्ध शुष्क और गर्म के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है जो मुख्य रूप से शुष्क होती है जिसमें गर्मीयों में बहुत गर्मी और ठंडी में अत्यधिक सर्दी होती है, मानसून के मौसम को छोड़कर जब समुद्री मूल की नमी मैदानी क्षेत्र में प्रवेश करती है। एक वर्ष में 4 ऋतुएँ होती हैं। भीषण गर्मी मार्च के मध्य से शुरू होकर जून के अंतिम सप्ताह तक चलती है, इसके बाद दक्षिण पश्चिम मानसून आता है जो सितंबर तक रहता है। सर्दी का मौसम नवंबर में शुरू होता है और मार्च के पहले सप्ताह तक रहता है।

वर्षा:

अध्ययन क्षेत्र की सामान्य वर्षा 515 मिमी है। जो 26 दिनों तक क्षेत्र में असमान रूप से वितरित रहता है। दक्षिण पश्चिम मानसून जून के अंतिम सप्ताह से शुरू होता है और सितंबर के अंत में वापस आ जाता है। वार्षिक वर्षा में इसका योगदान लगभग 84% है। जुलाई और अगस्त सबसे अधिक बारिश वाले होते हैं। शेष 16% वर्षा गैर-मानसूनी अवधि के दौरान पश्चिमी वितरण और गरज के साथ होती है।

तापमान:

अध्ययन के अनुसार जून के महीने में दैनिक अधिकतम तापमान 41° C दर्ज किया गया है तीव्र गर्मी में दिन का तापमान कभी-कभार 47 या 48° C से अधिक हो सकता है और जनवरी के महीने में औसत न्यूनतम तापमान 6° C दर्ज किया गया है और औसत दैनिक न्यूनतम 27° C के आसपास है।

आर्द्रता:

मांडो खेड़ी गांव की औसत आर्द्रता 45 से 55% तक रहती है। यह अप्रैल - मई के महीने में न्यूनतम स्तर 20% पर पहुंच जाती है तथा जुलाई महीने में 60 से 70% तक पहुंच जाती है।

पवन:

सामान्यता क्षेत्र में हल्की पवनें चलती हैं। परंतु ग्रीष्म ऋतु के दूसरे चरण में तथा मानसून ऋतु के प्रारंभ में पवनों की गति तीव्र होती है। गर्मियों में तेज चलती पवनों को " लू " कहते हैं । शीत ऋतु में क्षेत्र कभी-कभी शीत लहर से प्रभावित होता है। मांडो खेड़ी गांव में पवनों की दिशा उत्तर से उत्तर - पूर्व की दिशा में चलती हैं, जो 11 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलती है।

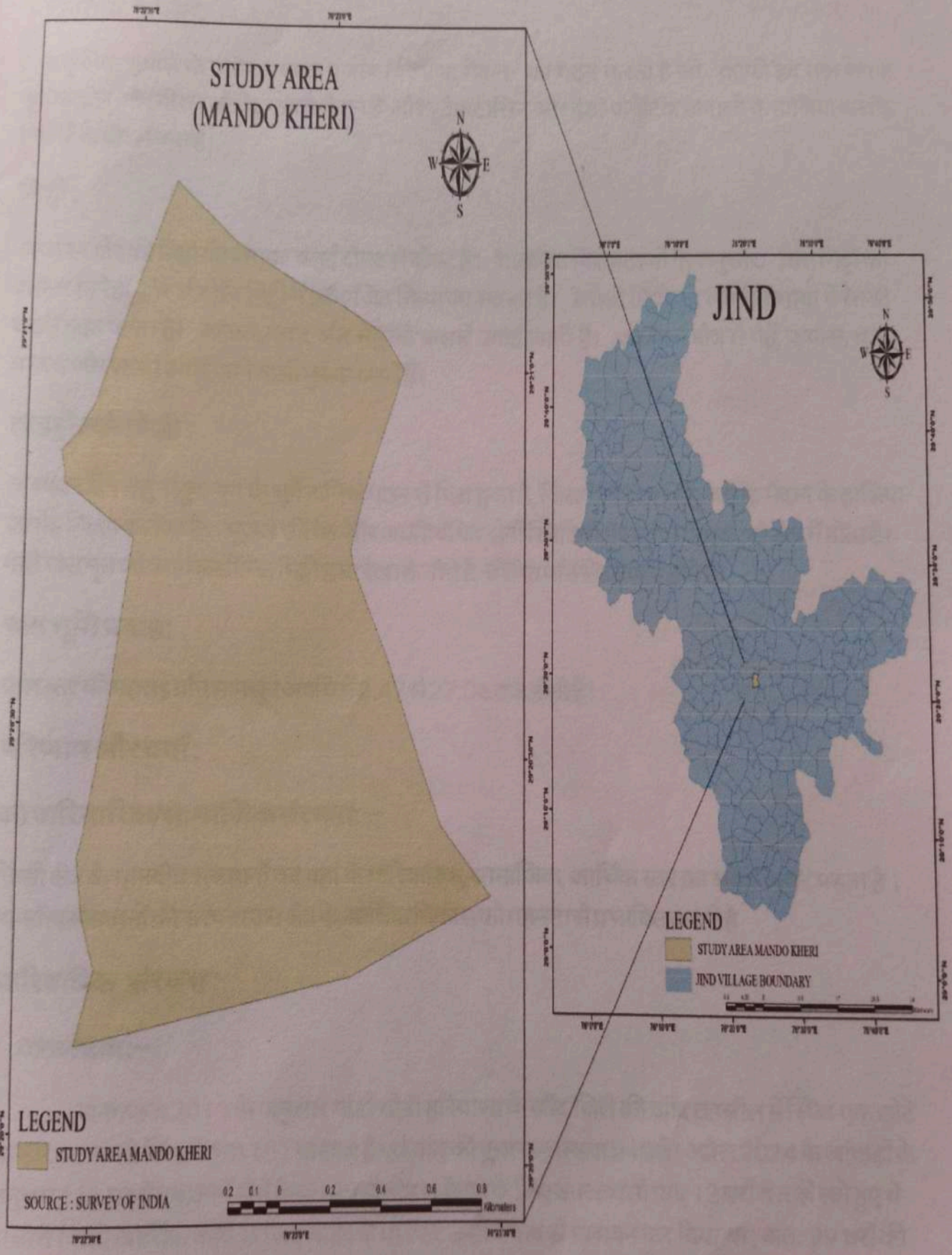
STUDY AREA
(MANDO KHERI)
N
W
E
S
LEGEND
STUDY AREA MANDO KHERI
SOURCE : SURVEY OF INDIA
JIND
LEGEND
STUDY AREA MANDO KHERI
JIND VILLAGE BOUNDARY

प्राकृतिक भूगोल:

प्राकृतिक भूगोल के परिणामस्वरू पजाब-हरियाणा मैदान का गठन करता है जो काफी हद तक सपाट सुविधाहीन और नीरस जलोढ़ ऊपरी मैदान है और प्लेइस्टोसिन और इंडो-जेनेटिक प्रणाली के हालिया जलोढ़ निक्षेपों के दौरान बना है।

मिट्टी:

अध्ययन क्षेत्र की मिट्टी की बनावट बलुई दोमट से दोमट है। शारीरिक विशेषताओं के अनुसार. , इस मिट्टी को कल्लर या रेही और सीरज़ेन मिट्टी में विभाजित किया जा सकता है। रेतीली मिट्टी को स्थानीय भाषा में रेतली धरती कहा जाता है। बाजरा, ज्वार और गेहूं की फसलें उगाई जाती हैं। अध्ययन क्षेत्र में गेहूँ, कपास, धान, बाजरा और सरसों उगाई जाने वाली मुख्य फसलें हैं।

हाइड्रोज्योलोजी:

अध्ययन क्षेत्र चतुर्धातुक युग के भूवैज्ञानिक गठन से घिरा हुआ है, जिसमें विशाल सिंधु जलोढ़ मैदान के हालिया जलोढ़ निक्षेप शामिल हैं। भूजल सीमित और अप्रतिबंधित दोनों स्थितियों में संतृप्ति के एक घने क्षेत्र में होता है। गहरे जलभृत जो व्यापक सीमित मिट्टी द्वारा रेखा के नीचे हैं, सीमित परिस्थितियों में होते हैं।

जल भूमि प्रवाह:

जल स्तर की गहराई प्रतिमानसून अवधि में 2.47 से 27.06 तक होती है।

परिणाम और चर्चा:

क) पारिवारिक/सामाजिक संरचना:–

किसी क्षेत्र के मानवीय संसाधनों का वहां के पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक स्तर का सीधा असर पड़ता है । मानवीय संसाधनों की सरंचना उस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गहनता से प्रभावित करती है

पारिवारिक संरचना:

- **जनसंख्या:–**

जनगणना 2011 के अनुसार मांडो खेड़ी हरियाणा के जींद जिले की जींद तहसील में स्थित एक छोटे आकार का गांव है जिसमें कुल 101 परिवार हैं एवं गांव की कुल जनसंख्या 540 है। अप्रैल 2024 के आंकड़ों के अनुसार 111 घर थे एवं उनमें में से केवल 99 ही क्षेत्र सर्वेक्षण के लिए उपलब्ध हो पाए 12 घरों में ताले लगे हुए थे या तो वे किसी आर्थिक कार्य के लिए बाहर थे या फिर उन्होंने गांव से पलायन कर दिया था , अत: 99 घरों की जनगणना के फलस्वरूप गांव में 480 व्यक्ति ही पाए गए है, चित्र 2. के अनुसार 256 (53.33%) पुरुष है एवं

224 (46.66%)महिलाएं हैं। वर्तमान समय में हरियाणा का लिंगानुपात 879 है एवं मांडो खेड़ी गांव का लिंगानुपात 875 है जो कि हरियाणा के लिंगानुपात के संदर्भ में कम है।

S.N	Time	Total Houses	Population	Percentage
1	Census 2011	101	540	100 %
2	Field Work 2024	112 (But Survey 99)	480	88.88%

Table – 1

S.N	Sex	Population	Percentage
1	Male	256	53.33 %
2	Female	224	46.66 %
3	Total	480	100%

Table – 2

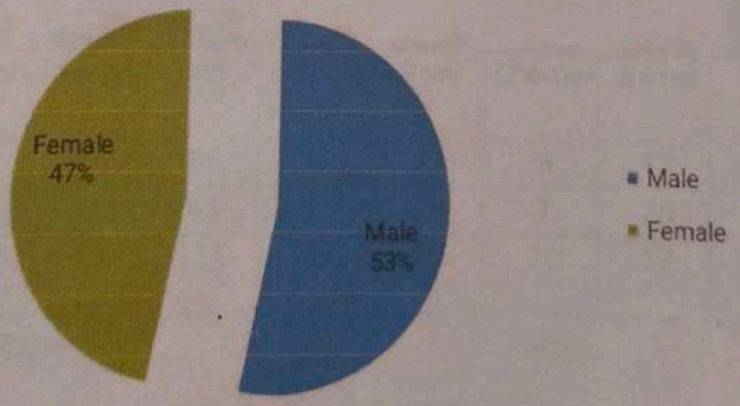

Fig- 1

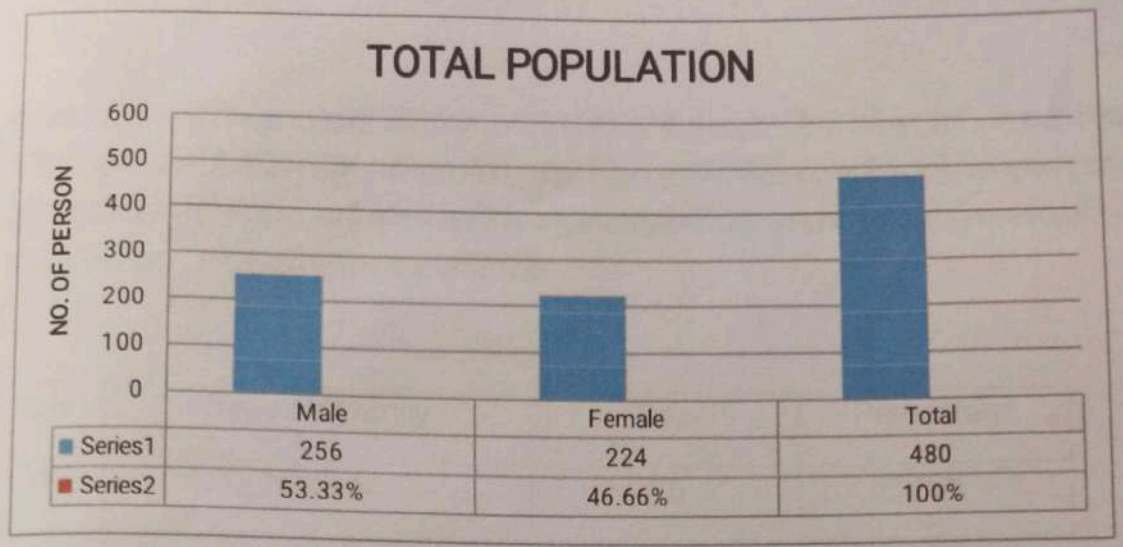

Fig-2

- **जनसंख्या का जाति के अनुसार वितरण:–**

चित्र 3. के अनुसार सबसे अधिक जनसंख्या जाति के अनुसार जाटों (121) में है तथा सबसे कम चमार (12) जाति में हैं। अन्य जातियों की अपेक्षाकृत सबसे अधिक पुरुषों (85) एवं महिलाओं की संख्या (63) जाट जाति में मिली है और चमार जाति में सबसे कम पुरुष (5) एवं महिलाओं की संख्या (3) मिली हैं।

Fig-3

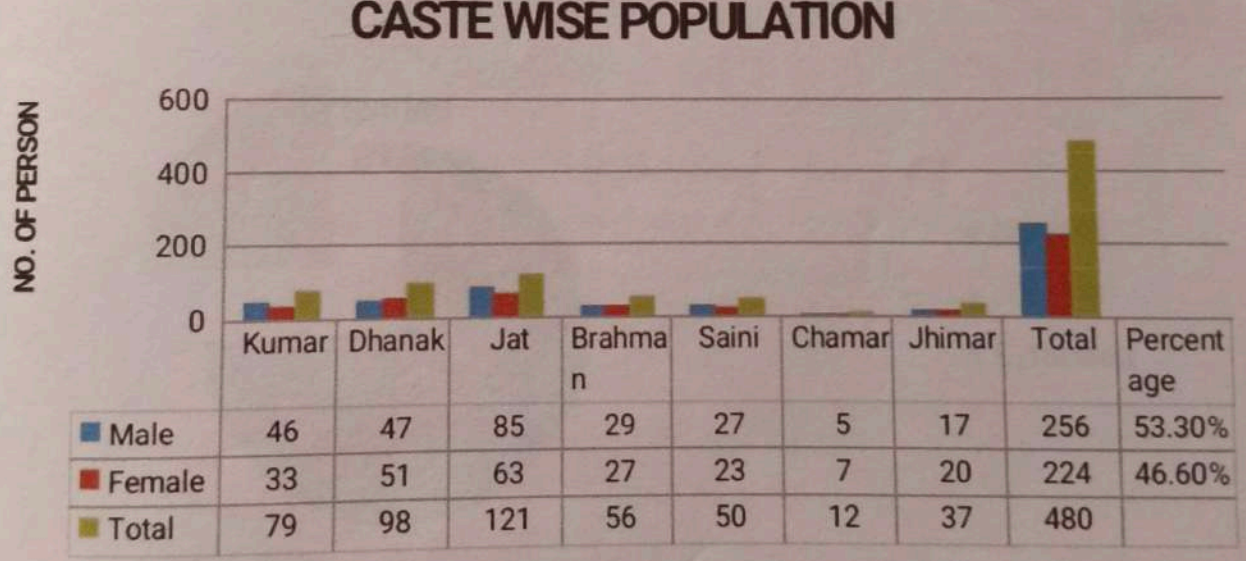

- **परिवार की संरचना:–**

गांव में पारिवारिक संरचना की दृष्टि से तीन प्रकार की व्यवस्था है ; एकल, संयुक्त एवं विस्तृत , हरियाणा में गांव में मुख्यता संयुक्त परिवार पाए जाते हैं लेकिन समय के परिवर्तन के साथ-साथ अब एकल परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है, संयुक्त परिवार सामाजिक सुरक्षा संगठन में श्रम विभाजन की दृष्टि से उचित होते हैं वहीं एकल परिवार प्रणाली विकासोन्मुख माने जाते हैं। मांडो खेड़ी गांव के सर्वेक्षण से ज्ञात होता है कि वहां लगभग 99 परिवार हैं। चित्र 4. से ज्ञात होता है की एकल परिवारों की संख्या 75% संयुक्त परिवारों की

संख्या 25.% तथा विस्तृत परिवारों की संख्या 0% हैं। चित्र 5. से ज्ञात होता है गांव में हर जाति के घरों में एकल परिवार पाया जाता है लेकिन संयुक्त परिवार सैनी, चमार, झिमर इत्यादि में तो नदारद है और केवल कुम्हार, धानक और जाट जाति में ही पाया जाता है गांव में जाति के अनुसार सबसे अधिक एकल परिवार (21) धानक जाति में है व संयुक्त परिवार (12) सबसे ज्यादा जाट जाति में है।

S.N	Types of Family	Total	Percentage
1	Nuclear	75	75%
2	Joint	25	25%
3	Extended	0	0%

Table– 4

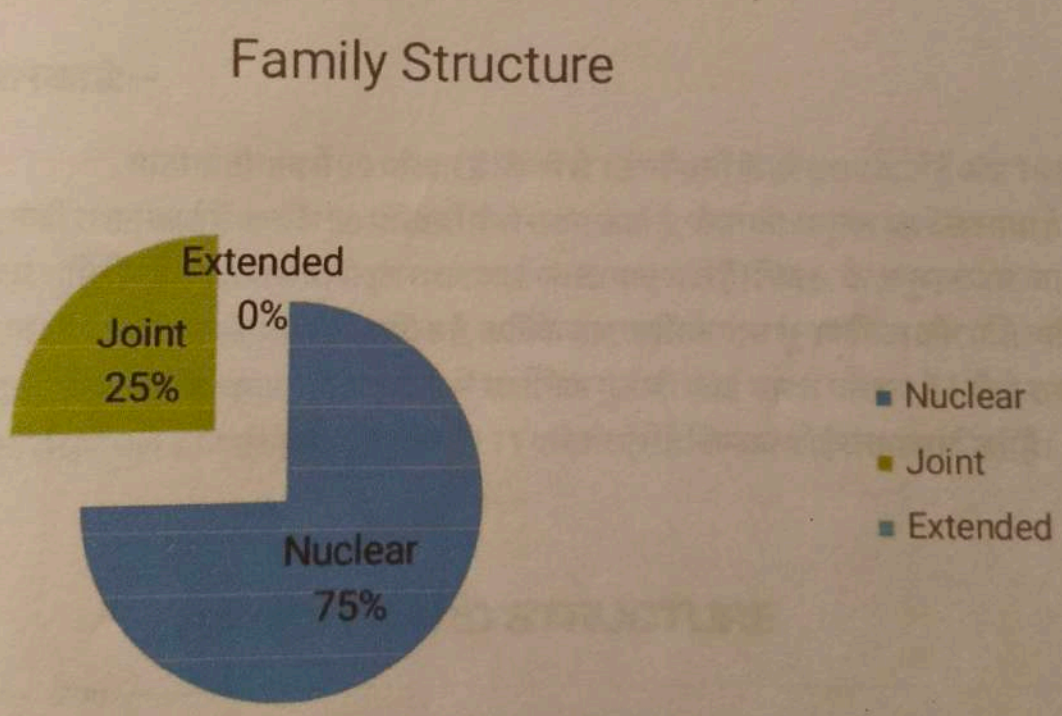

Fig-4

CASTE WISE FAMILY STRUCTURE

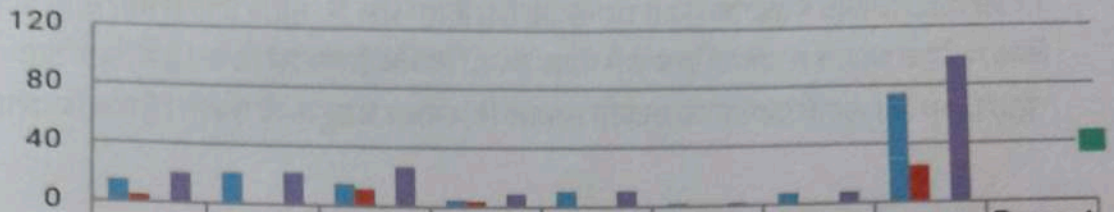

	Kumhar	Dhanak	Jat	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar	Total	Percentage
Nuclear family	15	21	15	5	11	2	8	74	74.40%
Joint family	5	1	12	4	0	0	0	25	25.20%
Extended family	0	0	0	0	0	0	0		
Total	20	22	27	9	11	2	8	99	

Fig-5

- **राशनकार्ड:—**

मांडोखेड़ी गांव में 99 परिवार हैं जिनमे से 13 परिवारों के हरे राशन कार्ड हैं और 19 परिवारों के गुलाबी राशन कार्ड हैं जबकि 56 परिवारों पीले राशन कार्ड हैं, जैसा की अमूमन यह देखा गया है कि जो परिवार भूमिहीन हैं उनके पास बीपीएल राशन कार्ड ज्यादा पाए जाते हैं। चित्र 6. के अनुसार जाट जाती में हरे राशन कार्ड धारकों की संख्या सबसे अधिक है, क्योंकि जाट जाति के पास भू-स्वामित्व और प्रति व्यक्ति आय ज्यादा होती है जबकि चमार, झीमर जाती में सर्वाधिक गुलाबी कार्ड धारक परिवार हैं। पीले राशन कार्ड धारकों संख्या धानक जाती में सबसे अधिक हैं। 11 परिवार ऐसे है जिनका कोई राशन कार्ड नहीं है।

Fig-6

RATION CARD STRUCTURE

	Dhanak	Jat	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar	Kumar	Total	Percentage
G.R. Card	1	9	3	0	0	0	0	13	13.10
P.R. Card	4	3	1	2	2	4	3	19	19.10
Y.R. Card	15	11	5	9	0	4	12	56	56.50
No Card	2	4	0	0	0	0	5	11	11.10
Total	22	27	9	11	2	8	20	99	

ख). घरों के प्रकार:—

अप्रैल 2024 के अनुसार मांडो खेड़ी गांव में कुल 99 मकान है जिनमे कच्चे घरों की संख्या 19(19.19)% है, अर्ध-पक्के घरों के संख्या 45(45.40%) है, पक्के घरों की संख्या 35 (35.30%) है। चित्र 7 के अनुसार मांडो खेड़ी गांव में जाट जाति में अर्ध-पक्के घरों की संख्या सबसे अधिक है जबकि पक्के घर भी सबसे अधिक जाट जाती में हैं। कच्चे घर सबसे अधिक धानक जाती में व जबकि जाट व ब्राह्मण जाती में कच्चे घरों की संख्या सबसे कम है। चित्र 8 के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना का फायदा केवल 1% घर ही उठा पाए हैं।

Fig-7

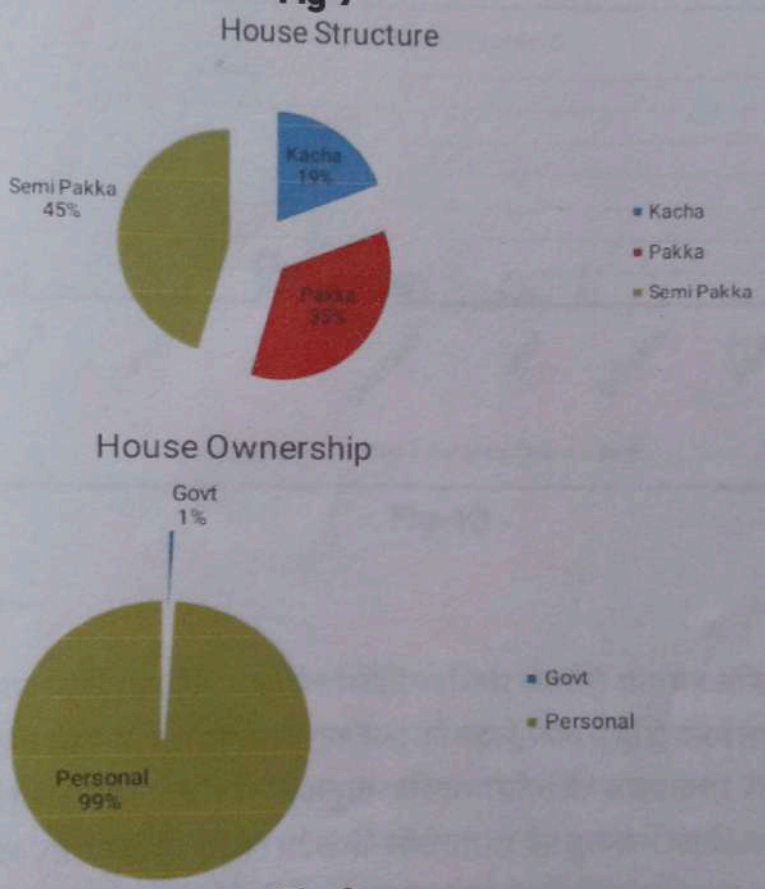

Fig-8

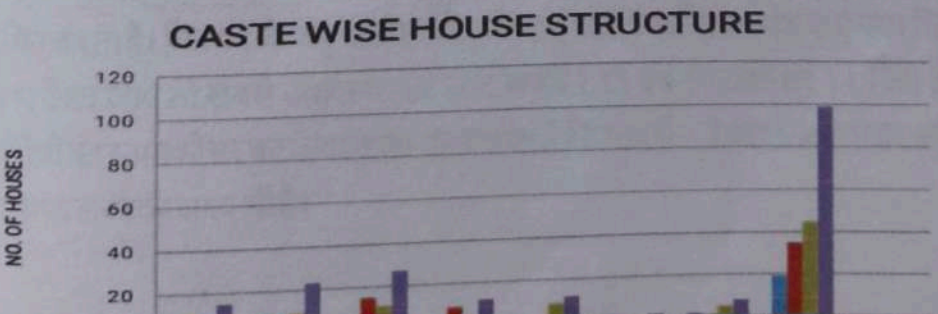

	Kumar	Dhanak	Jat	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar	Total	Precentage
Kacha	3	9	1	0	2	2	2	19	19.19%
Pakka	4	5	15	9	1	0	1	35	35.30%
Semi Pakka	8	9	11	3	9	0	5	45	45.40%
Total	15	23	27	12	12	2	8	99	

Fig-9

ग). भू-स्वामित्व:

अप्रैल 2024 के अनुसार गांव में कुल 103 एकड़ जमीन पाई गई है। सामान्य तौर पर यह मान्यता है की गांव की अधिकांश कृषि योग्य भूमि इसके उच्च जाती वर्ग के अधीन होती है। चित्र 10. में अध्ययन क्षेत्र में जाट जाति के अधीन 58 एकड़ तथा सैनी जाति के अधीन 13 एकड़, ब्राह्मण जाति के अधीन 17 एकड़ कुम्हार जाति के अधीन 13 एकड़ एवं धानक, झीमर जाति के अधीन 1-1 एकड़ जमीन है तथा चमार भूमिहीन जाति है। पिछड़ी जातियों में प्रभावशाली जातियों की अपेक्षा जोतों का आकार कम मिलता है।

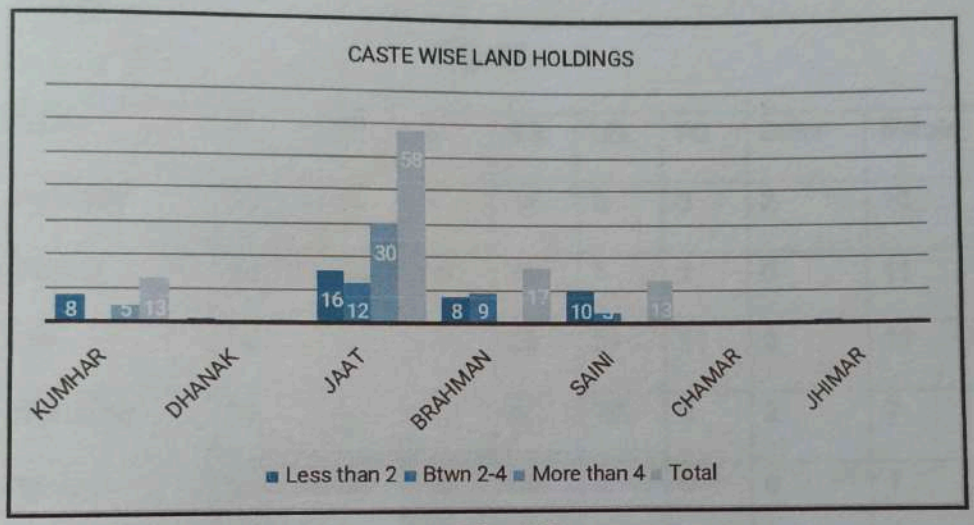

Fig-10

घ). साक्षरता:—

साक्षरता समाज की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर निर्भर करती है अत: यह अनियंत्रित चरों का महत्वपूर्ण संकेतक है। इसके साथ-साथ साक्षरता जागरूकता को बढ़ाने, आय में वृद्धि करने तथा सामाजिक विकास में सहायता करती है। जनगणना 2011 के अनुसार हरियाणा प्रदेश की साक्षरता दर 75.50 % थी जबकि मांडो खेड़ी गांव की दर 75.11% थी जो की प्रदेश की साक्षरता दर की तुलना में काफी कम थी। अप्रैल 2024 के सर्वेक्षण के अनुसार गांव के साक्षर लोगों की कुल संख्या 386 है जो की गांव की कुल आबादी का 85% है। 429 में से 386 व्यक्ति साक्षर हैं जो की 89.97% साक्षरता दर दर्शाता है यह समय के साथ साक्षरता दर में बढ़ोतरी को इंगित करता है। चित्र 11 के अनुसार गांव में कुल 43 (15%) व्यक्ति अनपढ़ पाए गए। चित्र 12. में जातियों के अनुसार देखा जाए तो सबसे ज्यादा साक्षर जाट जाति 133 एवं स्नातकोत्तर 11 किए हुए पाए गए हैं। 19 विद्यार्थियों का स्नातकोत्तर का पाया जाना यह दर्शाता है कि गांव में न केवल साक्षरता दर अधिक है बल्कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने का लक्ष्य भी है।

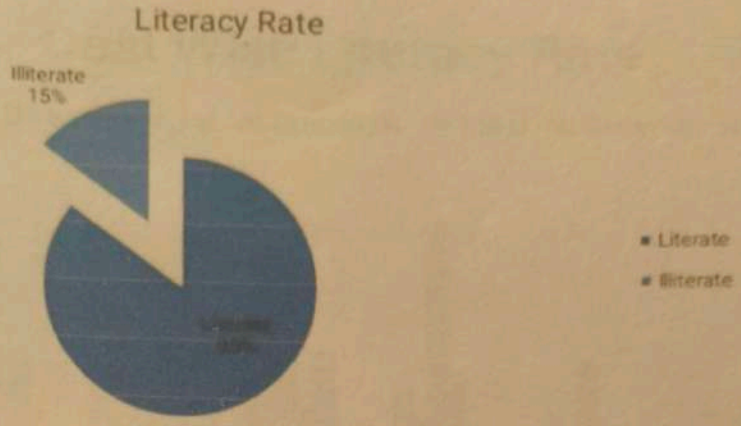

Fig-11

S.N	Caste	P	M	S	S.S	UG	PG	Other	Illitrate	Total
1	Kumahar	11	11	9	14	8	3	2	10	68
2	Dhanak	23	16	16	15	5	2	0	11	78
3	Jat	23	24	12	22	27	11	2	13	133
4	Brahaman	10	8	8	6	10	3	2	7	54
5	Saini	2	10	16	12	1	0	0	1	42
6	Chamar	3	6	1	0	1	0	0	0	11
7	Jhimar	9	10	8	4	0	0	0	2	33
8	Total	81	85	70	73	52	19	6	43	429

Fig-12

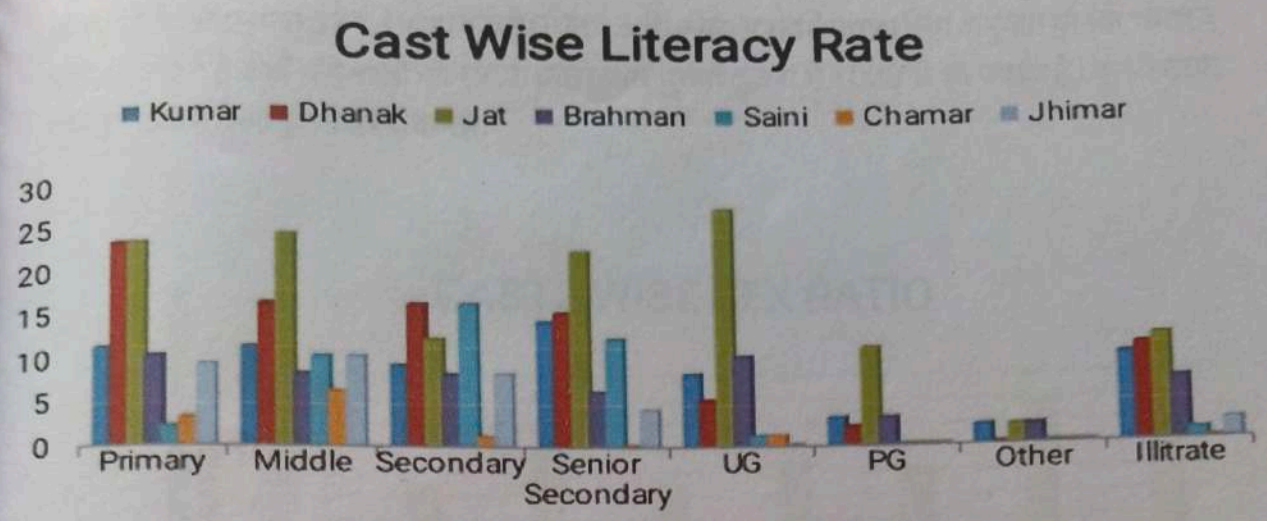

Fig-13

ज).लिंग अनुपात:–

S.N	Caste	Female	Male	Sex Ratio
1	Kumahar	33	46	717
2	Dhanak	51	47	1085
3	Jat	63	85	741
4	Brahaman	27	29	931
5	Saini	23	27	851
6	Chamar	7	5	1400
7	Jhimar	20	17	1176
8	Total	224	256	875

Table-5

लिंग अनुपात सामाजिक-आर्थिक विकास का एक मुख्य कारण है। इस अनुपात का एक मार्गी होना उस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में बाधक के रूप में कार्य करता है। मांडो खेड़ी का लिंग अनुपात 875 है जो की

हरियाणा के लिंगानुपात 879 से थोड़ा कम है। चित्र 13. के अनुसार सबसे ज्यादा लिंग अनुपात धानक, चमार व् झीमर जाती में है जहाँ महिलाओं की संख्या प्रति हजार पुरुषों तुलना में 1000 से भी ज्यादा है। दूसरी तरफ कुम्हार जातिमें लिंगानुपात सबसेकम है।

	Kumar	Dhanak	Jat	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar
Female	33	51	63	27	23	7	20
Male	46	47	85	29	27	5	17
Sex ratio	717	1085	741	931	851	1400	1176

Fig-14

च). आर्थिकव्यावसायिकसंरचना:—

आर्थिक संरचना किसी भी क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक राजनीतिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य को आधार देती है यह एक विभिन्न सामाजिक पहलुओं के निर्धारण का महत्वपूर्ण कारक है। जिला जींद की आर्थिक संरचना मुख्यत: कृषि तथा पशुपालन पर आधारित है अन्य आर्थिक क्रियाएं जैसे कि उद्योगों का अभाव है मांडो खेड़ी गांव की आर्थिक सरंचना जींद शहर से निकटता होने के कारण तृतीयिक क्रियाकलापों पर आधारित है।

- **प्रति व्यक्ति आय:—**

चित्र 14. के अनुसार मांडो खेड़ी गांव की कुल वार्षिक आय 16380000 रुपए है, जिसके हिसाब से पूरे गांव की प्रति व्यक्ति आय 34125 रुपए है। 2024 के अनुसार सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय ब्राह्मण (59821) जाति में है एवं सबसे कम झीमर जाति में है, जो की यह दिखाती है की जो परिवार तृतीय क्रियाओं में संलंघन है उनकी प्रति व्यक्ति आय ज्यादा है।

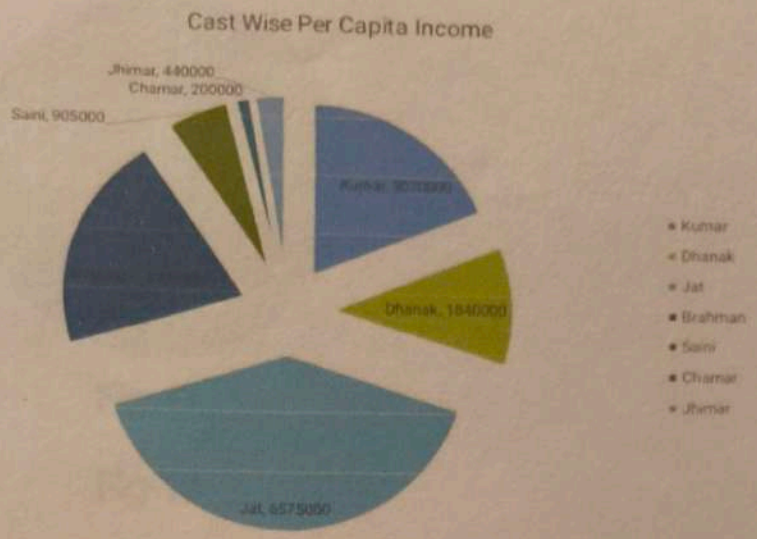

Fig-15

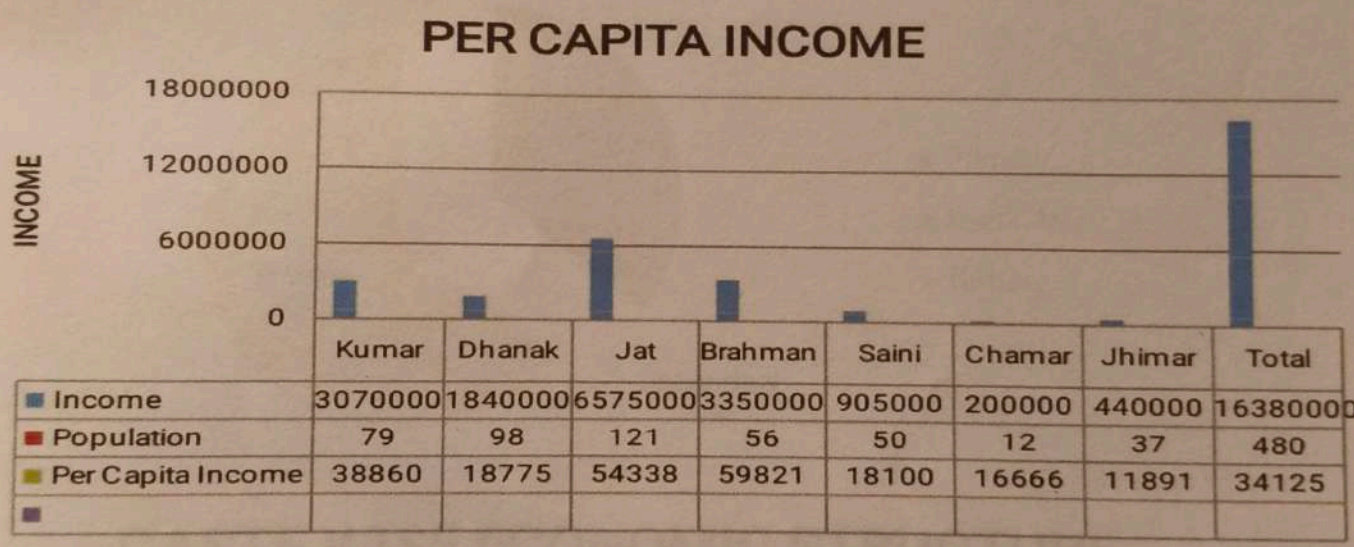

	Kumar	Dhanak	Jat	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar	Total
Income	3070000	1840000	6575000	3350000	905000	200000	440000	16380000
Population	79	98	121	56	50	12	37	480
Per Capita Income	38860	18775	54338	59821	18100	16666	11891	34125

Fig-16

- **व्यावसायिक संरचना:–**

सर्वेक्षण से मांडो खेड़ी गांव के विभिन्न कार्यों की सहभागिता की प्राप्त जानकारी को आधार पाया गया है। चित्र 16 एवं 17 के अनुसार गांव में 35% व्यक्ति सीधे या परोक्ष रूप से कृषि यानि प्राथमिक क्रियाओं से जुड़े हुए है शहर से नज़दीक होने के कारण लोग तृतियक कार्यों में ज्यादा संलग्न है, गांव में द्वित्यिक क्रियाओं में 0% तथा लगभग 65% व्यक्ति नौकरी एवं सेवाओं से जुड़े हुए हैं। चित्र 18. में जाति के अनुसार प्राथमिक क्रियाओं में सबसे अधिक जाट (14) एवं तृतीयक क्रियाओं में धानक (19) सबसे अधिक है।

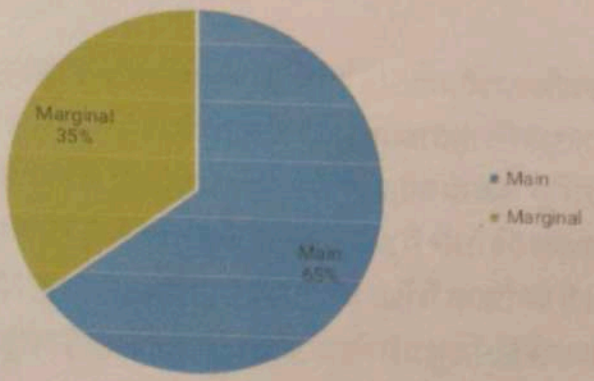

Fig-17

Fig-18

Economic Structure

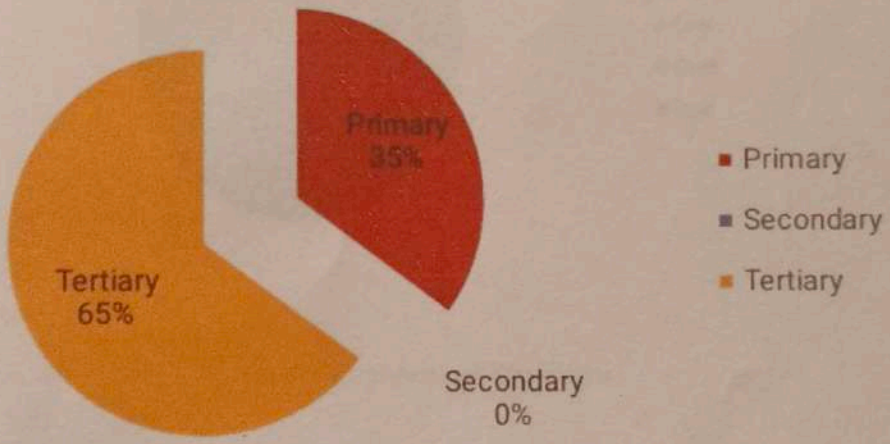

CASTE WISE ECONOMIC STRUCTURE

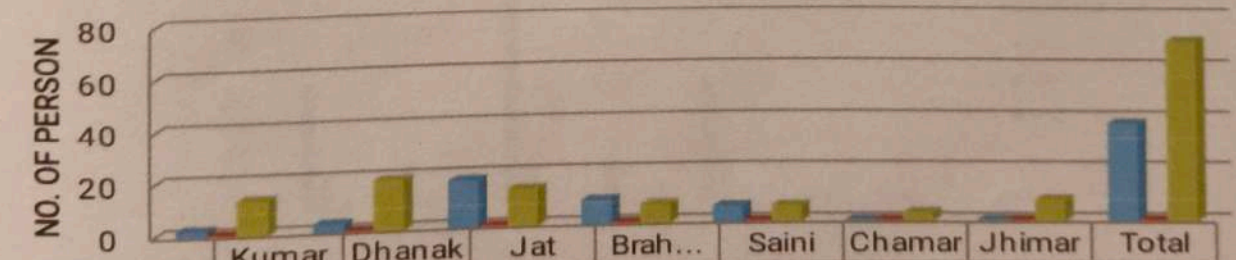

	Kumar	Dhanak	Jat	Brah...	Saini	Chamar	Jhimar	Total
Primary	2	3	18	9	6	0	0	38
Secondary	0	0	0	0	0	0	0	0
Tertiary	13	19	14	7	6	3	8	70

Fig-19

छ). पशुपालन:—

पशुपालन कृषि का एक पूरक व्यवसाय है। आमतौर पर लोग खेतों में काम करने के लिए पशुपालन करते है लेकिन इसके साथ साथ किसी गांव की पशु सम्पदा वहां की खुशहाली का प्रतीक मानी जाती है। मांडो खेड़ी गांव पशु धन की दृस्टि से संपन्न है। अधिकतर भूमिहीन या कम भूमि जोत वाले परिवार भैंस तथा गायों के दूध को बेचने का काम करते हैं। चित्र 19 के अनुसार गांव में भैंसों की संख्या 125(79%) तथा गायों की संख्या 27(17%) पाई गई है। इसके अतिरिक्त 3 बैल एवं 4 घरों में बकरी भी हैं। चित्र 20. के अनुसार चमार, झीमर जाती में सबसे कम पशुधन है इसके विपरीत जाट जाती में पशुओं की संख्या सबसे अधिक है।

Fig-20
Animal Structure

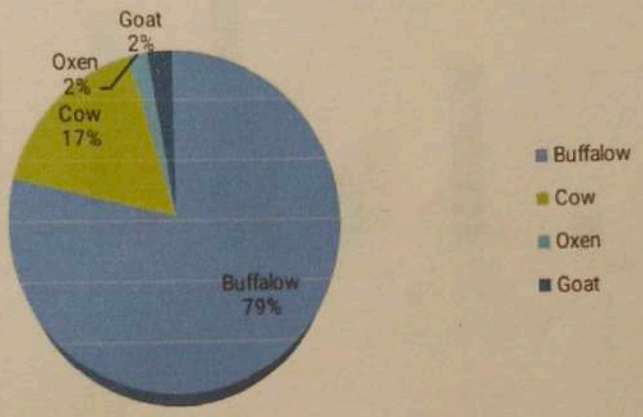

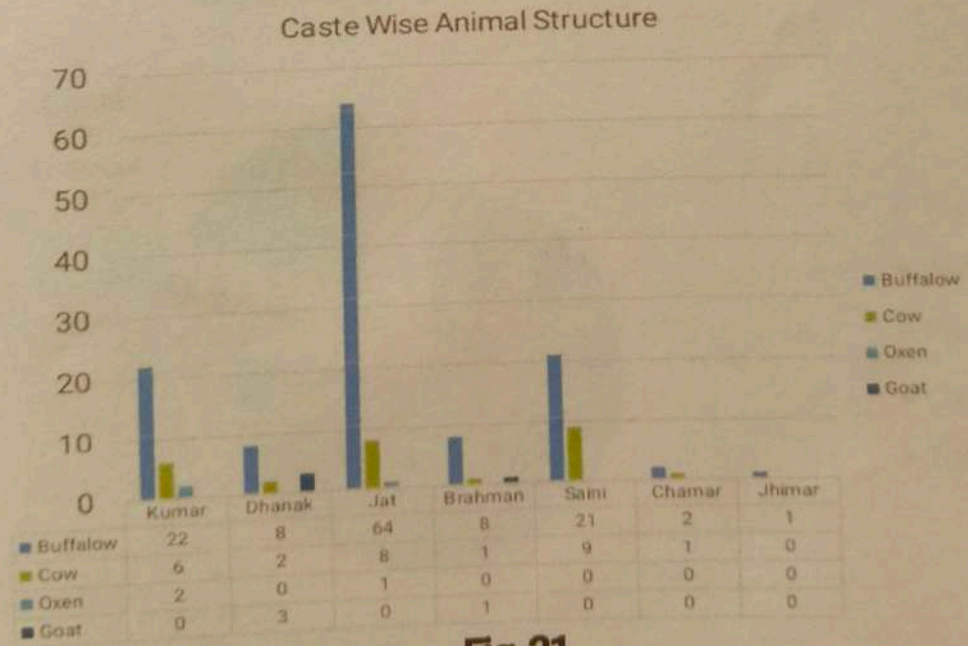

	Kumar	Dhanak	Jat	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar
Buffalow	22	8	64	8	21	2	1
Cow	6	2	8	1	9	1	0
Oxen	2	0	1	0	0	0	0
Goat	0	3	0	1	0	0	0

Fig-21

ज). पेयजल का स्रोत एवं उपलब्धता:–

चित्र-21 से पता चलता है कि पीने के पानी का मुख्य स्रोत नल का पानी है और चित्र-22 के अनुसार घरेलू स्तर पर यानी लगभग 73% प्रतिशत उपलब्ध है एवं 27% उपलब्ध नहीं है जिसका स्त्रोत कुआं अथवा टंकी हो सकती है। पीने के पानी का बाहरी स्रोत कुआँ (3%) और टंकी (19%) है। 74 नल एवं 19 टैंक सरकार द्वारा लगवाए गए हैं एवं 9 व्यक्तिगत नल घरों में उपलब्ध हैं।

Fig-22

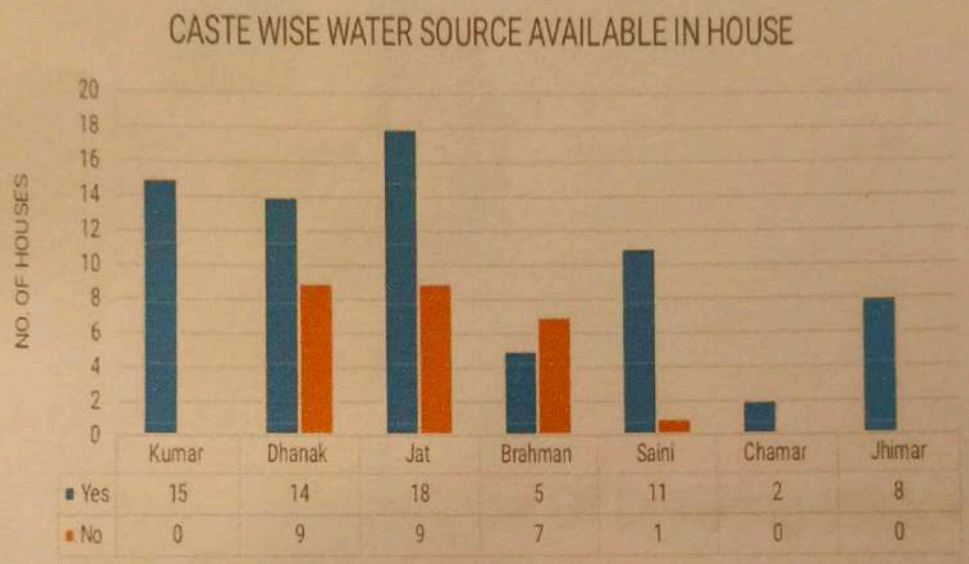

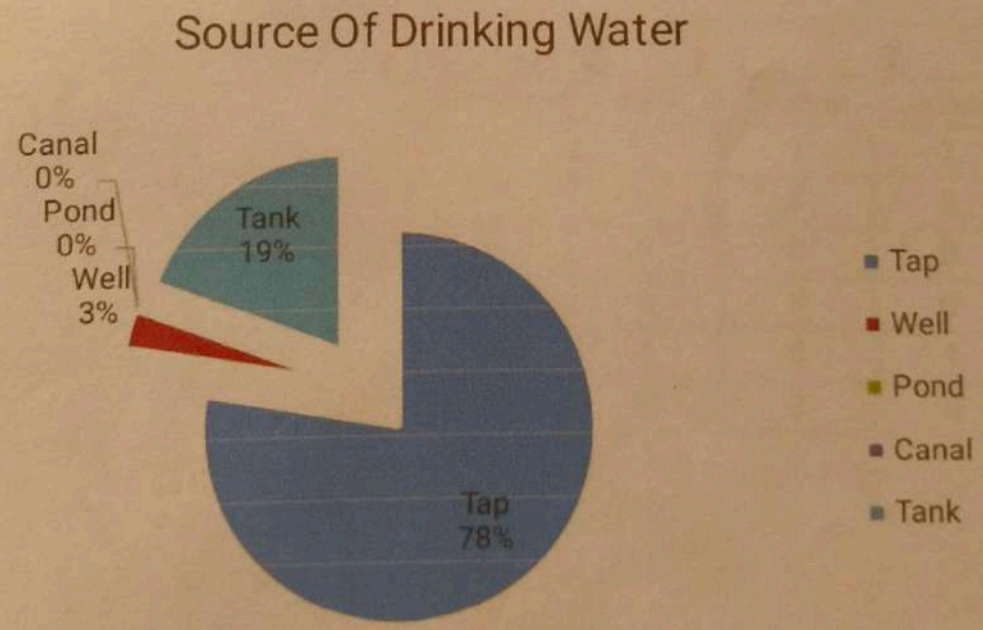

Fig-23

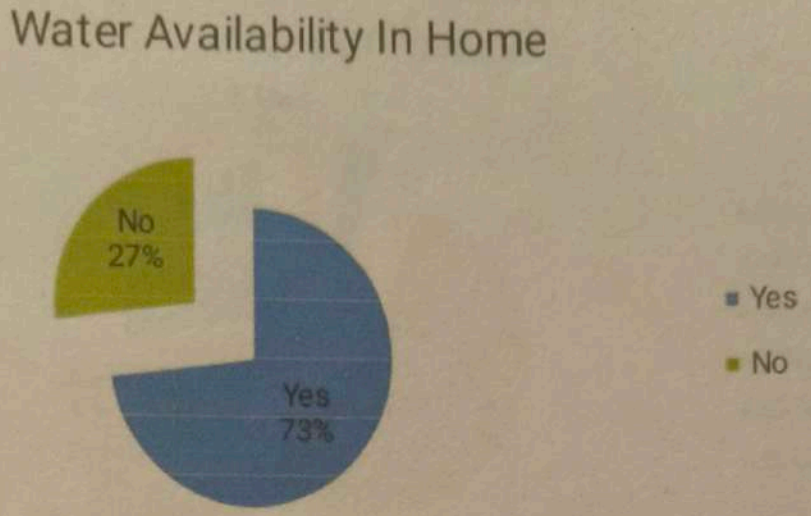

Fig-24

Caste Wise Source Of Drinking Water

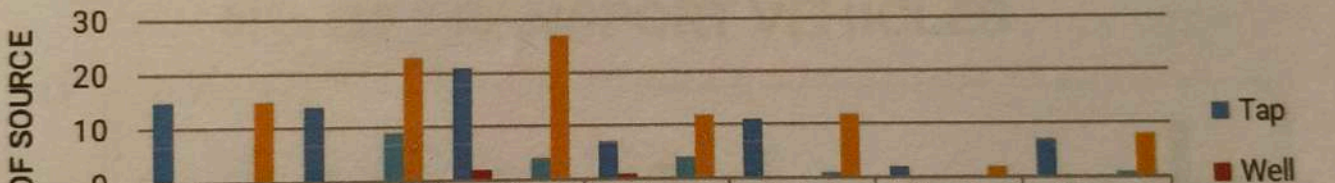

	Kumar	Dhanak	Jat	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar
Tap	15	14	21	7	11	2	7
Well	0	0	2	1	0	0	0
Pond	0	0	0	0	0	0	0
Canal	0	0	0	0	0	0	0
Tank	0	9	4	4	1	0	1
Total	15	23	27	12	12	2	8

Fig-25

झ). परिवहन के साधन:-

परिवहन लोगों, जानवरों और वस्तुओं का एक स्थान से दूसरे स्थान तक आवागमन है। परिवहन के साधनों में वायु, रेल, सड़क, पानी, केवल, पाइपलाइन शामिल हैं।परिवहन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह व्यक्तियों के बीच व्यापार को सक्षम बनाता है, जो प्रदेश के विकास के लिए आवश्यक है। चित्र-25 के अनुसार गाँव में स्कूटर 55% उपयोग किया जाने वाला मुख्य वाहन है, इसके बाद साइकिल 24% और स्कूटी 12% है।

गाँव के 5% व्यक्तियों के पास कार और 3% में बैलगाड़ी पाई गईं है।चित्र-26 के अनुसार ,सबसे ज्यादा परिवहन के साधन जाट जाति (29) में पाए गए है एवं सबसे कम चमार जाति (1) में पाए है।

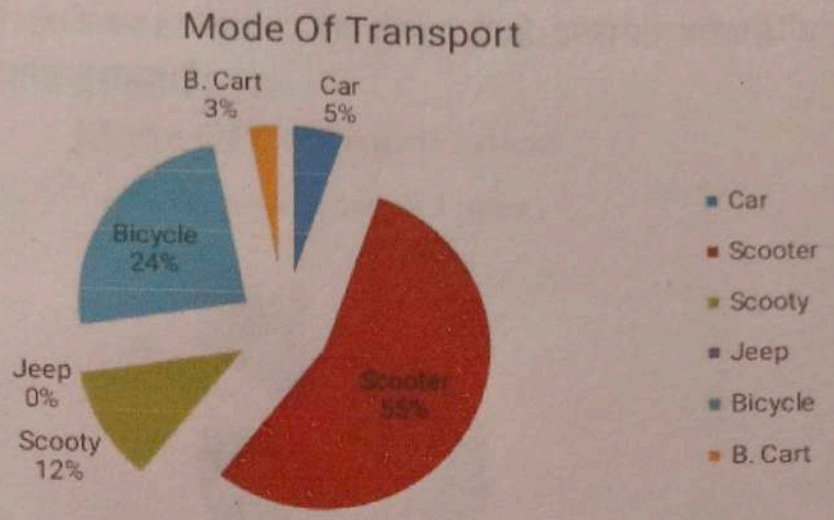

Fig-26

NO. OF TRANSPORT VEHICLES

	Kumar	Dhanak	Brahman	Saini	Chamar	Jhimar	Jat
Car	0	1	1	0	0	0	3
Scooter	6	8	6	9	0	1	22
Scooty	3	0	4	2	1	0	1
Jeep	0	0	0	0	0	0	0
Bicycle	3	8	3	3	0	3	3
B. Cart	2	0	0	1	0	0	0
Total	15	17	14	15	1	4	29

Fig-27

ट). संचार :- संचार एक बेहतरीन तरीका है जिससे हम मोबाइल, फोन, कंप्यूटर, टेलीफोन, वायरलेस और कई अन्य माध्यमों से जानकारी भेजते और प्राप्त करते हैं। इंटरनेट एक तकनीकी प्लेटफार्म है जो कंप्यूटर और लैपटॉप को एक साथ जोड़ता है। चित्र-27 के अनुसार गांव में संचार के लिए गांव की 82% आबादी मोबाइल फोन का उपयोग करती है। इसके बाद इंटरनेट 15% एवं कंप्यूटर 3% है। इससे पता चलता है कि गाँव विभिन्न संचार संसाधनों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

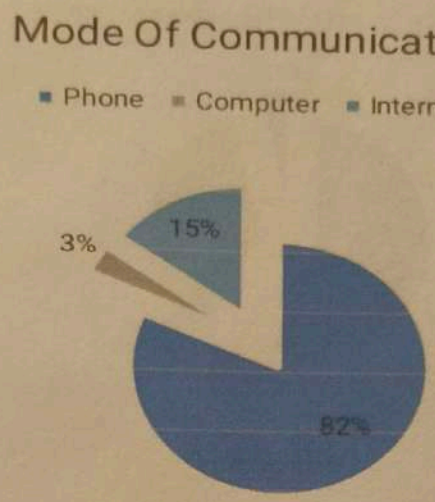

Fig- 28

ठ). बिजली का स्रोत:-

चित्र-28 के अनुसार हम दर्शाते हैं कि कुल 99 घरों में से 1 को छोड़कर लगभग सभी घरों में बिजली का स्रोत है। जिनमें 99 घरों में बिजली का स्रोत मीटर है।

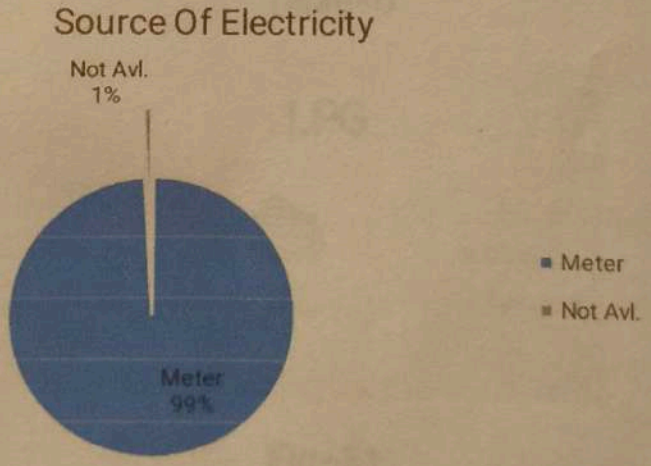

Fig - 29

ड़). खाना पकाने के दौरान प्रयुक्त ईंधन:-

चित्र-29 के अनुसार गाँव में खाना पकाने के दौरान ईंधन की लकड़ी 57% मुख्य स्रोत है। खाना पकाने के दौरान उपयोग किए जाने वाले ईंधन का एक अन्य स्रोत एलपीजी 38%, इलेक्ट्रिक गैस 4% और केरोसिन 1% है।

लगभग 22 (24%) आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों में उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए गए हैं।

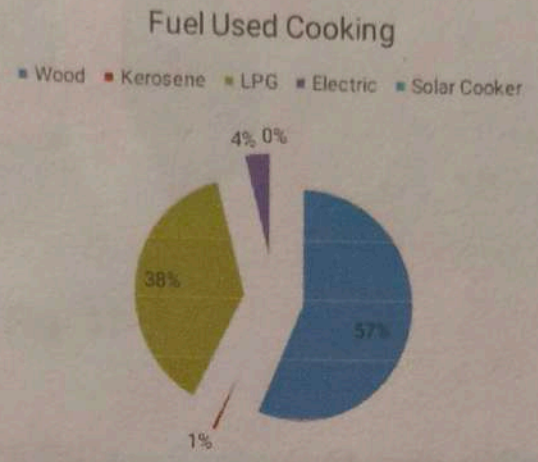

Fig-30

LPG	Total No
Govt	22
Personal	77

Table-6

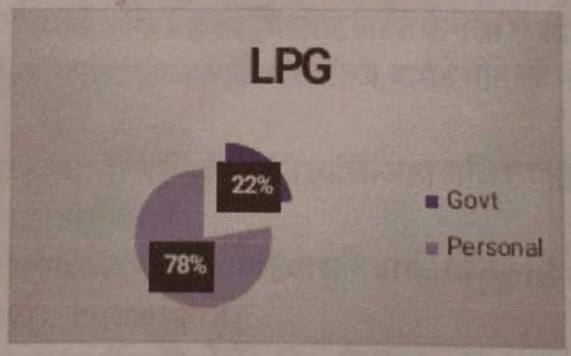

Fig-31

ढ). अन्य सहायक सामग्री:-

सर्वेक्षण के अनुसार हम दिखाते हैं कि लगभग सभी ग्रामीणों के पास मनोरंजन के साधन हैं। चित्र 30 दर्शाता है कि 43% घरों में टेलीविजन है, 29% घरों में फ्रिज है, और 28% घरों में कपड़े धोने की मशीन है।

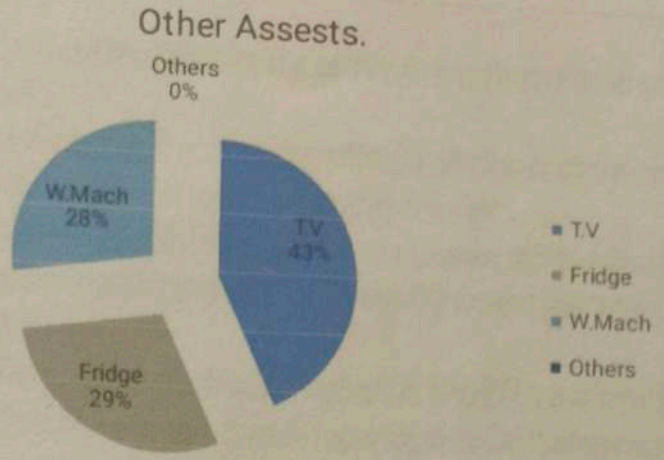

Fig- 32

निष्कर्ष:

*जाट, ब्राह्मण, सैनी, एवं कुम्हार के लिंगानुपात में कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी जातियो के लिंग अनुपात का आकडा 1000 से उपर मिला है।
*गांव में बीपीएल कार्ड धारकों की संख्या अधिक है।
*भू स्वामित्व एवं प्रति व्यक्ति आय अधिक होने के कारण जाट जाति में सर्वाधिक हरे राशन कार्ड है।
*प्रभावशाली जातियों में भू स्वामित्व अधिक होने के कारण प्राथमिक क्रियाओं में ज्यादा संलग्न है।
*प्रभावशाली जातियों में आर्थिक स्तर उच्च होने के कारण कच्चे घरों की संख्या कम है।
*प्रधानमंत्री आवास योजना का फायदा केवल 1% परिवार की उठा पाए हैं।
*गांव में खाना पकाने के दौरान ईंधन की लकड़ी मुख्य स्रोत है।
*गांव में उज्ज्वला योजना का फायदा केवल 22% परिवार उठा पाए हैं।
*गांव में परिवहन के साधन उपयुक्त रूप से उपलब्ध है।
*पशुओं की संख्या जाट जाति में सबसे अधिक है क्योंकि जाट जाति के पास भू स्वामित्व ज्यादा है।
*लगभग सभी ग्रामीणों के पास अन्य सहायक सामग्री जैसे फ्रिज, कपड़े धोने की मशीन एवं टेलीविजन उपलब्ध है।
*पिछड़ी जातियों की अपेक्षा प्रभावशाली जातियों में प्रति व्यक्ति आय अधिक पाई गई हैं।
*गाव में बिजली एवं जल की उपयुक्त सुविधा है।
*गांव में 74 घरों में सरकार द्वारा नल लगवाए गए हैं एवं टैंक सुविधा की परिपूर्ण है
*गांव में प्रवास का कोई भी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।
*पिछड़ी जातियों की अपेक्षा प्रभावशाली जातियों में अधिक शिक्षित व्यक्ति पाए गए।
*गांव में साक्षरता दर अधिक है तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संख्या या दर्शाती है कि गांव में उच्च शिक्षा के प्रति रुझान है।
*गांव में एकल परिवारों की सख्या सयुक्त परिवारों की सख्यां से अधिक है।
*शहर से नजदीक होने के कारण गाव में लोग तृतियक कार्यों में ज्यादा संलगन है।
*गांव में तृतीय व्यवसाय में 65% सलंग्न होना गांव की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाता है।

सुझाव:

1. गांव में कम से कम एक प्राथमिक चिकित्सा केंद्र अवश्य होना चाहिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सा प्रदान की करवाई जा सके।
2. लोगों को लिंगानुपात की जानकारी होनी चाहिए ताकि इसे और बेहतर बनाया जा सके।
3. प्राथमिक क्रियाओं जैसे कृषि सब्जी उत्पादन में वृद्धि होनी चाहिए।
4. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जिन घरों में पेयजल उपलब्ध नहीं है उन्हें जल की सुविधा प्राप्त हो।
5. पशुपालन भी गांव के लोगो के लिए एक व्यवसाय के रूप में है। गांव में कुल 159 पशुधन है, अत: एक पशु हस्पताल भी होना चाहिए।
6. निम्न जातियों को कौशल, सूचना और शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
7. जिन जातियों की प्रति व्यक्ति आय कम है उनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार को रोजगार प्रदान करवाना चाहिए।

GPS Map Camera
Mando Kheri, Haryana, India
89WH+F6F, Mando Kheri, Haryana 126102, India
Lat 29.345563°
Long 76.377866°
06/04/24 10:25 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Mando Kheri, Haryana, India
89WH+F6F, Mando Kheri, Haryana 126102, India
Lat 29.346339°
Long 76.377999°
06/04/24 10:27 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Mando Kheri, Haryana, India
89WH+F6F, Mando Kheri, Haryana 126102, India
Lat 29.346132°
Long 76.378058°
06/04/24 10:31 AM GMT +05:30
Google

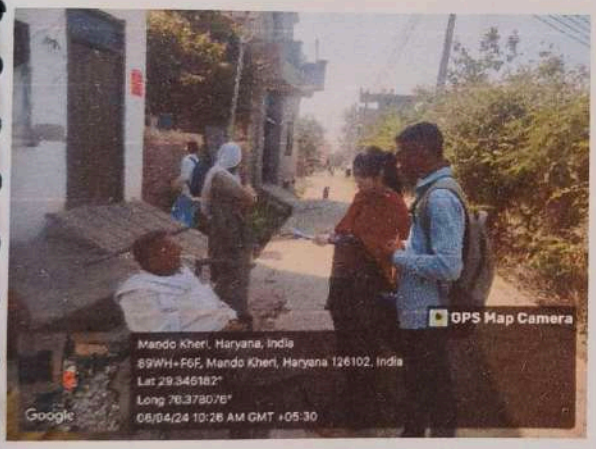
GPS Map Camera
Mando Kheri, Haryana, India
89WH+F6F, Mando Kheri, Haryana 126102, India
Lat 29.346182°
Long 76.378076°
06/04/24 10:26 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Mando Kheri, Haryana, India
89WH+F6F, Mando Kheri, Haryana 126102, India
Lat 29.346042°
Long 76.378061°
06/04/24 10:28 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Mando Kheri, Haryana, India
89WH+6C6, Mando Kheri, Haryana 126110, India
Lat 29.34558°
Long 76.378069°
06/04/24 10:13 AM GMT +05:30
Google